आयोजन

प्रसिद्ध हिंदी लेखिका शिवानी की जयंती पर हुई संगोष्ठी, वक्ताओं ने साहित्यकार के साहित्य को समाज को समझने का नया दृष्टिकोण बताया

शिवानी का लेखन सामाजिक दस्तावेज : प्रो. रावत

प्रसिद्ध हिंदी लेखिका शिवानी की जयंती के अवसर पर विचार रखतीं वक्ता। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय स्थित कुर्मांचल सभागार में प्रसिद्ध हिंदी लेखिका शिवानी की जयंती पर शिवानी का कथा साहित्य : प्रकृति और संवेदनशीलता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन कुविवि के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने किया।

शुक्रवार को साहित्य अकादमी नई दिल्ली और महादेवी वर्मा सृजन पीठ कुविवि के संयुक्त तत्वावधान में हुई संगोष्ठी के दौरान कुलपति प्रो. रावत ने कहा कि शिवानी ने जिस तरह अपने पात्रों के माध्यम से पहाड़ी जीवन, संस्कृति और पर्यावरण को प्रस्तुत किया है, वह हिंदी साहित्य में अनूठा है। उनका लेखन केवल कहानियां नहीं, बल्कि एक सामाजिक दस्तावेज है, जो हमें अपने आसपास की प्रकृति और समाज को समझने का एक नया दृष्टिकोण देता है।

साहित्य अकादमी की सामान्य परिषद के सदस्य प्रो. डीएस पोखरिया ने कहा कि शिवानी ने नारी मनोविज्ञान को गहराई से समझा और अपनी रचनाओं में उसे बेबाकी से प्रस्तुत किया। इससे पूर्व महादेवी वर्मा सृजन पीठ के निदेशक प्रो. शिवि मौर्य ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को प्रो. दिवा भट्ट, प्रो. जगत सिंह बिष्ट, प्रो. निर्मला डैला बोरा, प्रो. विद्धेश्वर सिंह और डॉ. रूपा सिंह ने भी संबोधित किया।

संचालन डॉ. अनिल काकी व मोहन सिंह रावत ने किया। इस मौके पर रजनी गुप्त, प्रो. चंद्रकला रावत, प्रो. दिनेश कर्नाटक, मोहन सिंह रावत आदि मौजूद रहे।